पुलिस लाइन में आदिवासी आरक्षक की बेदम पिटाई

रक्षित निरीक्षक पर मारपीट का है आरोप, सोशल मीडिया में वायरल हुआ वीडियो, एएसपी करेंगे जांच

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 फरवरी। जिले की पुलिस लाइन से सामने आया एक मामला, अब सिर्फ विभागीय विवाद नहीं रहा, बल्कि पूरे पुलिस तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। पुलिस लाइन में पदस्थ रक्षित निरीक्षक केशव सिंह चौहान पर अपने ही अधीनस्थ आदिवासी आरक्षक जितेंद्र रावत के साथ मारपीट, गाली-गलौज, धमकी और नजरबंद करने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामला सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो वायरल होने के बाद तूल पकड़ चुका है। हालांकि वायरल वीडियों की पुष्टि नवभारत नही करता है।

आरक्षक जितेंद्र रावत का आरोप है कि 1 फरवरी को वह अवकाश लेने के लिए रक्षित

निरीक्षक केशव सिंह चौहान के पास गए थे। इसी दौरान निरीक्षक ने अश्लील और भद्दी गालियां देते हुए उन्हें भगा दिया। आरोप है कि इसके बाद बेल्ट या डंडे जैसे किसी कठोर वस्तु से बेरहमी से मारपीट की गई। आरक्षक के पेट और पीठ पर कई चोट के निशान बताए जा रहे हैं। मारपीट किस वस्तु से की गई, यह जांच का विषय है, लेकिन चोटों की मौजूदगी आरोपों को गंभीर बनाती है। इधर पीड़ित आरक्षक का आरोप है कि मारपीट के दौरान निरीक्षक ने नौकरी से निकालने की धमकी दी और कहा कि वह चाहे जहां शिकायत कर ले, उसका कुछ नहीं बिगड़ेगा। वीडियों में आरक्षक द्वारा यह भी कहते सुना जा रहा है कि यह पहली घटना नहीं है। करीब एक साल पहले भी रक्षित निरीक्षक द्वारा उनके कान पर जोरदार तमाचा मारा गया था, जिससे आज तक उन्हें ठीक से सुनाई नहीं देता। इसके बाद से लगातार मानसिक दबाव और प्रताड़ना का दौर चलता रहा। आरक्षक का कहना है कि निरीक्षक का गाली-गलौज करना उनका तकिया कलाम बन चुका है और आए दिन किसी न किसी के साथ बदसलूकी की जाती है। उधर मामला तब विस्फोटक हो गया, जब आरक्षक जितेंद्र रावत का सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर उसकी आपबीती सार्वजनिक कर दी। वीडियो वायरल होते ही जिले भर में हड़कंप मच गया और पुलिस अधिकारियों की जमकर किरकिरी होने लगी। सवाल उठने लगे कि अगर एक आदिवासी आरक्षक सोशल मीडिया में कथन वायरल हो रहा है। कहीं न कहीं पुलिस अधिकारी सवालों के घेरे में जरूर आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि एक स्थानीय पत्रकार का कुछ पोस्ट वायरल हुआ था। जहां एसपी ने आनन-फानन में एफआईआर दर्ज करा दिया था।

आरक्षक झूमते हुये दे रहा है गाली-गलौज

आरक्षक जितेन्द्र रावत का एक वीडियों भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया में आरक्षक झूमते हुये नजर आ रहा है। चर्चा है कि वह नशे में धुत्त था और पिछले तीन दिनों से इसी तरह झुमते हुये कॉलोनी में किसी भद्दी-भद्दी गालियां बक रहा है। हालांकि यदि आमजनों की बात माने तो आरक्षक शराब का ज्यादा सेवन करता है और यदि से बात बिगड़ी है। फिर भी आरक्षक के साथ जिस कथित व्यक्ति ने मारपीट की है, इसे जायज नही ठहराया जा रहा है। एसपी के यहां से मीडिया पुलिस सेल सिंगरौली के व्हाट्सएप ग्रुप में एक पोस्ट जारी किया है, जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि आरक्षक के साथ की गई मारपीट की बात सामने आने पर एएसपी को जांच का जिम्मा सौपा गया है। जांच उपरांत तथ्यों के आधार पर प्रकरण में शीघ्र ही वैधानिक एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जावेगी।

जांच का आश्वासन, लेकिन भरोसा कमजोर

पुलिस की ओर से सफाई दी गई है कि वायरल वीडियो के संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा द्वारा जांच की जा रही है और जांच उपरांत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। लेकिन पूर्व अनुभवों के चलते यह आश्वासन पीड़ित और आम जनता को संतुष्ट नहीं कर पा रहा है। आदिवासी आरक्षक के साथ कथित मारपीट और नजरबंदी का यह मामला अब सिर्फएक व्यक्ति का नहीं रहा। यह पुलिस विभाग की आंतरिक संस्कृति, जवाबदेही और संवेदनशीलता की परीक्षा बन चुका है। अब देखना यह है कि जांच निष्पक्ष होती है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबा दिया जाता है। जिले की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

सीएसपी पुन्नू परस्ते की विंध्यनगर से विदाई

पत्रकारों ने सीएम एवं पीएचक्यू के यहां की थी शिकायत

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 फरवरी। सीएसपी विंध्यनगर पुन्नू परस्ते का तबादला कर उन्हें उमरिया भेज दिया गया है। सैनिक सम्मेलन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भावभीनी विदाई दी गई। हालांकि यह विदाई समारोह शालीन रहा, लेकिन इसके पीछे का घटनाक्रम काफी समय से चर्चा में रहा है।

जानकारी के अनुसार जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में सीएसपी पुन्नू परस्ते की पत्रकारों से तीखी कहा-सुनी हो गई थी। इस घटना के बाद आहत बैढ़न अंचल के पत्रकारों ने एसपी मनीष खत्री से शिकायत की थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई या पहल नहीं की गई। इससे आहत पत्रकारों ने डीजीपी एवं सीएम के यहां भी पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल ने पूरे घटनाक्रम से अवगत कराते हुए लिखित शिकायत भी सौंपी थी। इस पर डीजीपी स्तर से मामले की जांच कराए जाने का आश्वासन दिया गया था। जांच की जिम्मेदारी एएसपी सर्वप्रिय सिन्हा को सौंपी गई, जिन्होंने संबंधित पत्रकारों के बयान भी दर्ज किए थे। हालांकि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। सूत्रों के मुताबिक जिले के प्रभारी मंत्री, पंचायत मंत्री और स्वयं एसपी की भी यह मंशा थी कि पुन्नू परस्ते कुछ समय और सिंगरौली में ही पदस्थ रहें, लेकिन अंततः उच्च स्तर से तबादले का आदेश जारी हो गया। इससे स्पष्ट हो गया कि राजनीतिक या स्थानीय समर्थन भी निर्णय को प्रभावित नहीं कर सका।

एक नजर में

सासन पावर प्लांट में 7वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी आयोजित

सिंगरौली। सासन पावर प्लांट द्वारा रिलायंस टाउनशिप स्थित मैत्री हिल परिसर में आयोजित 7वीं वार्षिक पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन इस वर्ष अत्यंत भव्यता, उत्साह एवं आकर्षण के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ । प्रदर्शनी में विभिन्न प्रजातियों के मौसमी फूलों, सजावटी पौधों, कलात्मक गमलों, थीम आधारित लैंडस्केपिंग, गार्डन डिजाइन एवं रचनात्मक हरित संरचनाओं का शानदार प्रदर्शन किया गया ।

उपखण्डो में भी जन सुनवाई का हुआ आयोजन

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश के परिपालन में देवसर, माड़ा व चितरंगी उपखण्डो में जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जहां देवसर उपखण्ड में एसडीएम अखिलेश सिंह एवं चितरंगी एसडीएम सौरभ मिश्रा एवं उपखण्ड अधिकारी माड़ा नंदन तिवारी द्वारा भी जन सुनवाई में आये आवेदको के समस्याओ का निराकरण कराया गया।

कलेक्टर ने की 325 आवेदन पत्रो पर जन सुनवाई

सिंगरौली। कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई में कलेक्टर गौरव बैनल ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 325 आवेदकों की समस्याएं सुनी और कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों से मौके पर ही कई समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया गया।

शिविर में 322 ग्रामीणों का हुआ नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

बड़ोखर में मिनी मेडिकल कैंप आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 फरवरी। ग्रामीण सशक्तिकरण और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, हिंडालको महान द्वारा अपने सीएसआर के अंतर्गत जिले के बड़ोखर गाँव में एक नि:शुल्क मिनी मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया।

इस शिविर में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव वाले क्षेत्रों से आए 322 ग्रामीणों ने अपनी बीमारियों का इलाज कराया और विशेषज्ञों से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया। शिविर में चिकित्सा जगत के पांच प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दीं। ग्रामीणों को बेहतर परामर्श देने के लिए अलग-अलग विभागों के माध्यम से जाँच की गई। हड्डी एवं जोड़ रोग-डॉ. विवेक सिंह, कान, नाक,गला-डॉ. राम तिवारी, मेडिसिन डॉ.रमा शंकर गुप्ता एवं डॉ. शैलेन्द्र साकेत, स्त्री रोग डॉ. साक्षी पांडेय, सफल आयोजन में टीम की भूमिका इस पूरे मेडिकल कैंप के सफल क्रियान्वयन में कंपनी की सीएसआर टीम का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रमुख राजीव रंजन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान शीतल श्रीवास्तव, धीरेन्द्र तिवारी, प्रवीण श्रीवास्तव, राम ललन, दीपक और पिंकी ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया और ग्रामीणों की सहायता की। वहीं डॉक्टरों की टीम ने ग्रामीणों को रोकथामात्मक स्वास्थ्य देखभाल के बारे में विस्तार से समझाया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया। साथ ही यह मेडिकल कैंप कंपनी की उस दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है।

रसोइयों को नहीं मिला 53 महीने का पारिश्रमिक भुगतान

साझा चूल्हा कार्यक्रम योजना दम तोड़ती हुई : चितरंगी ब्लॉक में, पिछले वर्ष सितंबर महीने से नहीं मिला भुगतान

नवभारत न्यूज

चितरंगी 3 फरवरी। स्थानीय ब्लॉक में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित साझा चूल्हा कार्यक्रम आज पूरी तरह से दम तोड़ता नजर आ रहा है। सितंबर 2025 से न तो साझा चूल्हा के लिए सामग्री का भुगतान किया गया है और न ही रसोइयों को उनका नियमित मानदेय मिल पाया है।

हालात यह हैं कि रसोइयों को पिछले 65 महीनों में महज 6000 रुपये का भुगतान हुआ है, जबकि नियमानुसार उन्हें 500

प्रतिमाह मानदेय दिया जाना चाहिए था। यानी 53 महीनों का मानदेय आज भी बकाया है। साझा चूल्हा कार्यक्रम से जुड़ी अधिकांश रसोइयां अत्यंत गरीब, मेहनतकश और घर-परिवार चलाने वाली महिलाएं हैं। 500 महीने की मामूली राशि भी इनके लिए जीवनयापन का सहारा थी, लेकिन वह भी समय पर न मिलना विभागीय संवेदनहीनता को उजागर करता है। स्थिति यह है कि रसोइया पानी भरने, ईंधन जुटाने और भोजन पकाने का काम लगातार कर रही हैं, लेकिन मेहनताना के नाम पर उन्हें सिर्फ आश्वासन और तारीखें दी जा रही हैं।

परियोजना अधिकरी से लेकर डीपीआ से फरियाद

पीड़ित रसोइयों और स्व सहायता समूहों ने अपनी समस्या परियोजना अधिकारी से लेकर जनप्रतिनिधियों तक रखी, परंतु हर स्तर पर सिर्फ अगली तारीख का भरोसा ही मिला। न कोई लिखित आदेश, न भुगतान की स्पष्ट समय-सीमा। इससे महिलाओं में गहरा आक्रोश पनप रहा है। सितंबर 2025 से साझा चूल्हा की सामग्री का भुगतान भी स्व सहायता समूहों को नहीं किया गया है, जिससे समूह आर्थिक संकट में फंस गए हैं। उधार लेकर काम चलाया जा रहा है, लेकिन अब सब्र का बांध टूटने लगा है। महिला एवं बाल विकास विभाग की लापरवाही का खामियाजा सीधे गरीब रसोइया और स्व सहायता समूह भुगत रहे हैं। यदि शीघ्र भुगतान नहीं हुआ तो जिले में साझा चूल्हा कार्यक्रम पूरी तरह ठप हो सकता है। साथ ही रसोइयों और समूहों के बीच विभाग के खिलाफ असंतोष तेजी से बढ़ रहा है, जो आने वाले दिनों में आंदोलन का रूप ले सकता है।

जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठायें नगरवासी : सविता

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 फरवरी। ननि आयुक्त सविता प्रधान ने संकल्प से समाधान अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि नगरीय क्षेत्र में अभियान का चरणबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

अभियान के तहत अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियो को लाभान्वित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित न रहे। आयुक्त ने निर्देशित किया कि नगर निगम के समस्त वार्डो में निर्धारित तिथियो के अनुसार शिविर आयोजित कर

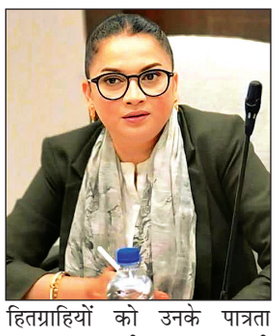

हितग्राहियों को उनके पात्रता अनुसार शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ के लाभ से लाभान्वित करायें। इसी दौरान उपायुक्त श्री बैस द्वारा वार्ड प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि अभियान के दौरान वे नो ड्यूज प्रमाण पत्र, पीएम स्वनिधि योजना, ट्रेड लाइसेंस जारी करना, जहां तकनीकी रूप से साध्य हो, वहां नवीन नल कनेक्शन के लिए मांग-पत्र प्रदाय मांग-पत्र अनुसार राशि जमा करने पर नवीन नल कनेक्शन प्रदान करना, नगरीय क्षेत्रों में हैंडपंप एवं ट्यूबवेल का सुधार, भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र जारी करना, जहां तकनीकी रूप से साध्य हो, वहां नवीन सीवर कनेक्शन प्रदाय करना, नवीनीकरण जैसे योजनाओ के अधिक से अधिक आवेदन समस्त नागरिकों से प्राप्त करें। नगरवासी अपने संबंधित वार्ड प्रभारियो से सम्पर्क कर उपरोक्त सेवाओं से सम्बन्धित आवेदन दे सकते हैं।

सड़क सुरक्षा में मिसाल बने रेनुसागर के विद्यार्थी

नवभारत न्यूज

अनपरा 3 फरवरी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान के तहत परिवहन विभाग, सोनभद्र द्वारा डायट परिसर में आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में हिंडालको रेनुसागर के विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की गूंज, परिवहन विभाग ने किया सम्मानित। रेनुपावर प्राथमिक पाठशाला के विद्यार्थियों को सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, राजेश्वर यादव द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। श्री यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन भर नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का संकल्प है।

सांस्कृतिक आयोजन समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : संदीप

नागिन तेरा वंश बढ़े, की प्रभावशाली प्रस्तुति से हुआ चार दिवसीय आयोजन प्रारंभ

नवभारत न्यूज

शक्तिनगर 3 फरवरी। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश एवं एनटीपीसी सिंगरौली के संयुक्त तत्वाधान में सम्भागीय नाट्य समारोह का आयोजन 2 से 5 फरवरी तक कर्मचारी विकास केंद्र, शक्तिनगर, सिंगरौली में किया जा रहा है, जिसमें 2 फरवरी को प्रथम दिवस की प्रस्तुति सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संदीप नायक

परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक एनटीपीसी सिंगरौली सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। समारोह के प्रथम दिवस प्रख्यात कथाकार विजयदान देथा की अमर कथा पर आधारित नाटक नागिन तेरा वंश बढ़े का प्रभावशाली मंचन किया गया। नाटक का रूपांतरण वीके द्वारा तथा निर्देशन शिवा सक्सेना के मार्गदर्शन में किया गया। मंथन आर्ट्स सोसाइटी शाह जहाँपुर द्वारा प्रस्तुत इस नाट्य कृति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। वहीं मुख्य अतिथि संदीप नायक ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज में मानवीय संवेदनाओं, नैतिक मूल्यों एवं सकारात्मक चेतना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कलाकारों, आयोजकों एवं अकादमी की भूमिका की सराहना की।

30 मीटर स्कोरिंग में एंजेल ने जीता स्वर्ण पदक

खेलो एमपी यूथ गेम्स में डी-पॉल की एंजेल विनीश का स्वर्णिम प्रदर्शन

नवभारत न्यूज

विंध्यनगर 3 फरवरी। खेलो एमपी यूथ गेम्स के राज्यस्तरीय मुकाबले में डी-पॉल स्कूल की उभरती हुई प्रतिभाशाली खिलाड़ी एंजेल विनीश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी प्रतियोगिता में कुल छः पदक अपने नाम किए।

एंजेल ने 30 मीटर स्कोरिंग में और ओलंपिक राउंड में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त किए। टीम स्पर्धाओं में भी एंजेल का प्रदर्शन सराहनीय रहा। जहाँ उसने मिक्स टीम में रजत पदक तथा महिला टीम

इवेंट में कांस्य पदक प्राप्त कर अपनी निरंतरता और टीम भावना का परिचय दिया। विद्यालय के प्राचार्य फादर जोबी जोसेफ ने दोनों छात्रों को उनकी सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि छात्रों द्वारा खेलों एमपी यूथ गेम्स जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करना विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

समूह की महिलाओं ने कलेक्टर से की मुलाकात

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 फरवरी। मॉ शारदा एवं प्रेमी स्व-सहायता समूह, लामीदाह की महिलाओं ने कलेक्टर गौरव बैनल से भेंट की। इस दौरान महिलाओं ने बंधा कोल माइंस द्वारा जैविक रूप से उत्पादित सब्जियां, जिनमें ब्रोकली, पीली फूलगोभी, बैगनी फूलगोभी, सामान्य फूलगोभी, पत्तागोभी, मटर एवं टमाटर भेंट स्वरूप कलेक्टर को दिया। साथ ही बंधा कोल माइंस के सीएसआर की टीम द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। इनमें प्रमुख रूप से टसर सिल्क रिलिंग, एवं केचुआ खाद निर्माण सहित अन्य आजीविका संवर्धन से जुडी पहल शामिल है।

हम एक नहीं बल्कि बहु फसलीय खेती करने को तैयार हैं : हरिप्रसाद

रंग ला रही बंधा कोल प्रोजेक्ट क्षेत्र में हिंडाल्को-एसेल माइनिंग की पहल, परती जमीन पर खेती कर खिले किसानों के चेहरे

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 3 फरवरी। जिले के पचौर गांव के महुअरिया टोला निवासी हरि प्रसाद द्विवेदी आजकल अपनी परती जमीन पर लहलहाती रामतिल की फसल की कटाई के बाद अब उसी जमीन पर उड़द और मूंग बोने की तैयारी कर रहे हैं।

हरि प्रसाद द्विवेदी ने आगे बताया कि अभी मैंने तीन क्विंटल रामतिल को 80 रूपए किलो की दर से बेचा है और लाभ कमाया है। पहले चूंकि जमीन परती थी और चारों ओर से खुली थी, लिहाजा मवेशियों के कारण खेती हो ही नहीं पाती थी। ऐसल-हिंडाल्को कंपनी द्वारा की गई सहायता से हमे बहुत लाभ हुआ है। और हम एक नहीं बल्कि बहु फसलीय खेती करने को तैयार हैं। इस परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए हिंडाल्को के बिजनेस हेड, माइंस एंड मिलिरल, कैलाश पांडेय ने बताया कि हम बंधा कोल परियोजना क्षेत्र के समुदाय के सर्वांगीर्ण विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। किसानों को उन्नत खेती के विषय में अवगत कराने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर

बनाने की दिशा में हम कार्यरत हैं। इधर इस संबंध में थॉमस चैरियन एमडी, एसेल माइनिंग ने कहा कि हम कोल परियोजना क्षेत्र में विगत 4 वर्षों से अधिक समय से सीएसआर के विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं पर कार्य कर रहे हैं। किसानों को खेती के लिए तकनीकी रूप से भी परामर्श दी जा सके, इसके लिए अभी हमने 13 किसानों को राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले में भ्रमण कराकर उन्हें बगान विकसित करने की नई तकनीक और उत्पादन के बारे में जानकारी दी है।

आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हम कार्यरत हैं : कैलाश

इस संबंध में कैलाश पांडेय- बिजनेस हेड, माइंस एंड मिलिरल, हिंडाल्को का कहना है कि हम बंधा कोल परियोजना क्षेत्र के समुदाय के सर्वांगीर्ण विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। किसानों को उन्नत खेती के विषय में अवगत कराने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हम कार्यरत हैं। अभी हम सिंगरौली के पचौर, देवरी, चितरवईकला और लामीदह में 13 किसान परिवारों को बागवानी कराने में सहायता दे रहे हैं। हम कोल परियोजना के गांवों के साथ आस-पास के समुदाय के सतत विकास के लिए प्रयत्नशील हैं।